वर्ष - 1 अंक - 4, सितंबर 2017
जे-7, श्रीरामनगर, रायपुर (छ.ग.)

आर.एन.आई. पंजीकरण क्रमांक
CHHHIN/2017/72506

किलोल

संपादक - डा. आलोक शुक्ला
सह-संपादक - एम. सुधीश

संपादक मंडल -
राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा , शेख अजहरुद्दीन

प्यारे बच्चों,

किलोल का नया अंक फिर आपके हाथ मे है. मुझे खुशी है कि धीरे-धीरे पत्रिका के लिये अच्छी सामग्री हमें मिलने लगी है. पहले की तरह पत्रिका का यह अंक भी http://www.alokshukla.com पर नि:शुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है. सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि किलोल को डाउनलोड करके अपने मोबाइल पर बच्चों को अवश्य दिखाएं. जिन बच्चों के पास मोबाइल है, उनके मोबाइल पर भी पत्रिका डाउनलोड की जा सकती है, जिससे वे अपने खाली समय में इसे पढ़ सकें. यदि हो सके तो पत्रिका को प्रिंट करके अपनी शाला के बच्चों को पढ़ने को दें. अपनी रचनाएं आप dr.alokshukla@gmail.com पर ई-मेल व्दारा भेज सकते हैं। अपने प्यारे नन्हे साथियों को मेरा अभिवादन.

आलोक शुक्ला

मक्खी का लालच

लेखक - राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा

एक बार एक व्यापारी अपने ग्राहक को शहद बेच रहा था. अचानक व्यापारी के हाथ से फिसलकर शहद का बर्तन ज़मीन पर गिर गया. बहुत सा शहद ज़मीन पर बिखर गया. व्यापारी ने काफी शहद तो उठा लिया परंतु कुछ शहद फिर भी जमीन पर गिरा रह गया.

कुछ ही देर में बहुत सी मक्खियां उस जमीन पर गिरे हुए शहद पर आकर बैठ गईं. मीठा-मीठा शहद उन्हे बहुत अच्छा लगा. वह जल्दी-जल्दी उसे चाटने लगीं. जब मक्खियों का पेट भर गया तो उन्होंने उड़ना चाहा, पर वह उड़ ना सकीं. उनके पंख शहद में चिपक गए थे. उड़ने के लिये वह जितना छटपटाती थीं उनके पंख उतने ही चिपकते जाते थे. बहुत सी मक्खियां शहद में चिपककर मर गईं.

मक्खियों की दुर्गति और मूर्खता देकर व्यापारी बोला - लालच बुरी बला है. लालची मक्खियों के समान ही मूर्ख लोग स्वाद के लालच में बुरी चीजें खाकर अपना स्वास्थ्य नष्ट कर लेते हैं. इस बारे में एक प्रसिध्द दोहा है -

माखी गुड़ में गड़ि रहये, पंख रहयो लिपटाय,
हाथ मले और सिर धुने, लालच बुरी बलाय.

प्रश्नों के उत्तर दें

1. व्यापारी क्या बेच रहा था

2. मक्खियों के पंख किसमे चिपक गये

3. मक्खियां क्यों मरीं

4. यह दोहा किस प्रसिध्द कवि ने लिखा है

प्यार के पंछी

लेखक - मुकेश कुमार ऋषि वर्मा

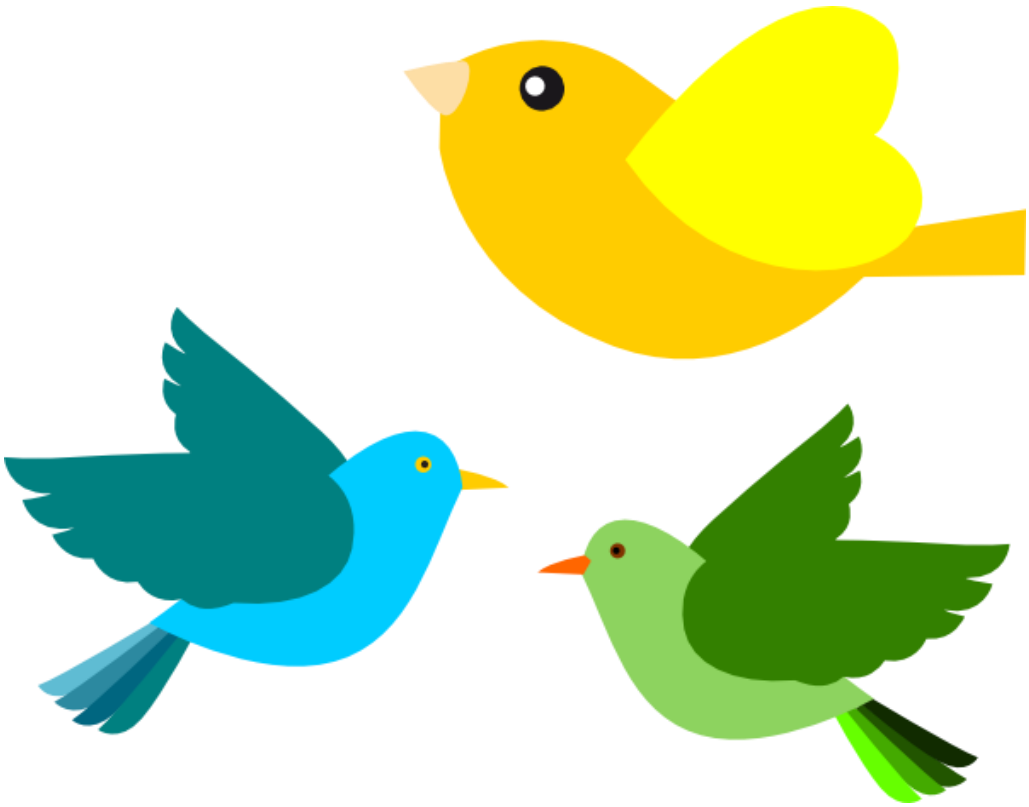

नन्हे - नन्हे प्यारे पंछी,
लगते सबसे न्यारे पंछी.

फुदक - फुदक कर आते पंछी,
खटपट से उड़ जाते पंछी.

चीं-चीं, चूं-चूं करते पंछी,
रंग रंगीले न्यारे पंछी.

कभी पेड़ पर, कभी गगन में,
उड़ते औ मंडराते पंछी.

छत पर दाना डालो तो,
झट से फिर आ जाते पंछी.

डरते-डरते दाना चुगते,
फुर से फिर उड़ जाते पंछी.

लाल - हरे, नीले औ पीले,
मेरे बड़े दुलारे पंछी.

Rain, Rain Go Away

RAIN RAIN GO AWAY

COME AGAIN ANOTHER DAY

MY BAPU WANTS TO PLAY

RAIN RAIN GO AWAY

COME AGAIN ANOTHER DAY

MY AMMA WANTS TO PLAY

RAIN RAIN GO AWAY

COME AGAIN ANOTHER DAY

MY DEEDI WANTS TO PLAY

RAIN RAIN GO AWAY

COME AGAIN ANOTHER DAY

MY BHAIYYA WANTS TO PLAY

आप अपने परिवार के साथ
खेलना चाहते हैं

पर बाहर पानी गिर रहा है

आप खेल नहीं पा रहे हैं

आप पानी को जाने को कह रहे हैं

इस कविता में और लोगों को
अपने साथ खेलने की इच्छा
दिखाने हेतु लाइन जोड़कर गाएं

REENA WANTS TO PLAY

MOHAN WANTS TO PLAY

JAMUNAA WANTS TO PLAY

करिया बादर आही संगी

लेखक - बलदाऊ राम साहू

करिया बादर आही संगी,
सबके मन हरसाही संगी |

झिमिर-झिमिर पानी गिरही,
कमिया मन मुसकाही संगी |

तरिया, नरवा, नदिया भरही,
सब मन मजा उड़ाही संगी |

मछरी, मेचका कूद-कूद के,
राग मल्हारी गाही संगी |

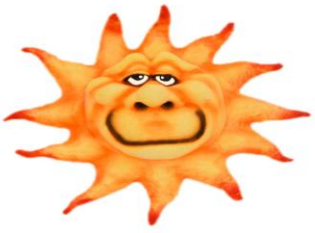

बदरा ऊपर जब बदरा छाही,
सूरज हर असकटाही संगी |

जब बरसात होती है तो आपके आसपास क्या-क्या होता है ?

हंसगुल्ले

एक राहगीर छोटा जूता पहन कर जा रहा था.

मुन्ना - अंकल, जूता कहाँ से लिया है ?

राहगीर (गुस्से से) - पेड़ से तोड़ा है.

मुन्ना- तोड़ना ही था तो दो महीने बाद तोड़ते.

कम से कम आपके पैर के साइज के तो हो जाते.

पापा –नालायक कम से कम एक बुक तो खोल कर देख लिया कर.

नितिन – क्या बात करते हो पापा, एक बुक तो रोज खोलकर देखता भी हूँ और पढता भी हूँ.

पापा- कौन सी बुक ?

नितिन- फेसबुक !

पुलिस टीचर से – इस लड़की ने आपकी शिकायत की है कि आपने इस पर जेंडर परिवर्तन का दबाव बनाया है.

टीचर – ये सरासर गलत इल्जाम है.

लड़की- पुलिस अंकल आप पूरी क्लास से पूछ लीजिए, सर ने सबके सामने ही मुझे मुर्गा बनने को कहा था, मुर्गी बनने को कहते तो ठीक था
एक लड़की मुर्गा कैसे बन सकती है ?

छत्तीसगढ़ी में मुहावरे

	अपन कुरिया घी के पुडिया (अपना घर स्वर्ग के सामान होता है)
	अपन मरे बिन सरग नि दिखे (स्वयं मरे बिना स्वर्ग नहीं दिखाई देगा अर्थात् काम तभी सफल होता है जब उसे स्वयं किया जाये)

इन मुहावरों पर आपस में चर्चा करें और स्वयं भी कुछ नए मुहावरे खोज कर हमे भी भेजें

चित्र देखकर कहानी लिखो

पिछले अंक में हमने कहानी लिखने के लिये यह चित्र दिया था –

इस चित्र पर हमें अनेक कहानियां प्राप्त हुई हैं. उनमें से हम 2 कहानियां यहां प्रकाशित कर रहे हैं-

मीना की अंतरिक्ष सैर

लेखक - नारायण सिंह नायक

मीना कक्षा 6 वीं में पढ़ती है. एक बार उसके विज्ञान शिक्षक ने बच्चों को बताया कि पृथ्वी सौर मंडल का एकमात्र ग्रह है, जहां जीवन है. पृथ्वी सहित अन्य ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं. कई तारे सूर्य से भी ज्यादा चमकदार और बड़े हैं. स्कूल में पढ़ाई करके और खेलकर मीना थक गई थी. वह घर आते ही सो गई. सोते हुए उसने स्वप्न मे देखा कि वह अंतरिक्ष यान से ब्रम्हांड की सैर कर रही है और सभी ग्रह और तारे चमकदार और गतिशील हैं. मंगल ग्रह की सैर करने के बाद वह चंदा मामा के पास पहुंची तो चंदा को देख कर खुशी से झूम उठी और जोर-जोर से गाने लगी -

चंदा मामा आया,
सूरज को दूर भगाया,
जगमग तारों का प्रकाश छाया,
बड़ा मजा आया.

उसका गाना सुनकर मम्मी पापा और मीना का भाई आकाश खिखिलाकर हंसने लगे. उनकी हंसी से मीना की नींद खुल गई. अपने स्वप्न को याद करके मीना भी हंस पड़ी.

सपनो की उड़ान

लेखिका श्रीमती दीप्ति दीक्षित

शिक्षा एक 5 साल की बच्ची है. वह रोज़ रात को सोते समय अपनी मम्मी से कहानी सुना करती थी. एक दिन उसकी मम्मी ने उसे ग्रहों और सौर मंडल की कहानी सुनाई. उस रात उसने सपने में देखा कि वह एक रॉकेट में बैठकर बृहस्पति ग्रह पर पहुंच गई है, जो बहुत बड़ा और सुंदर है. यहां उसका बहुत बड़ा घर है. उसके सारे दोस्त उसके साथ एक बड़े से बगीचे में खेल रहे हैं. चारों ओर हरियाली ही हरियाली है. यहां से उसका पृथ्वी का घर भी दिखाई दे रहा था. उसने सोचा कि यदि उसके घर या देश को कोई नुकसान पहुंचायेगा तो उसे वह यहीं से तोप से मार देगी. सुबह जब उसने सपने की बात मम्मी से कही तो उन्होंने उसे बताया कि बृहस्पति ग्रह पर तो हवा ही नही है इसलिए वहां जीवन संभव नही है. शिक्षा ने ठान लिया कि वह बड़ी होकर खगोल शास्त्री बनेगी और एक दिन बृहस्पति ग्रह पर जरूर जाएगी, जिसे उसने अपने सपने में देखा है.

अब नीचे दिये चित्र को देखो और झटपट एक मज़ेदार कहानी लिखकर हमे भेज दो. सभी अच्छी कहानियां हम अगले अंक में प्रकाशित करेंगे.

हवा का फैलाव एवं सिकुडन

लेखक - शेख अजहरुद्दीन

बच्चों आओ आज हवा के फैलने और सिकुड़ने का खेल खेलें.

आवश्यक सामग्री - एक गुब्बारा (फुग्गा), एक बोतल (कांच या प्लास्टिक की), गर्म पानी और रबर बैंड.

बोतल के मुंह मे गुब्बारे (फुग्गे) को रबर बैंड की सहायता से बांध दो. इस समय गुब्बारा पिचका हुआ है. एक पतीले में थोडा गर्म पानी लेकर उसमे बोतल को थोड़ी देर रखो. कुछ देर में गुब्बारा फूल जाता है. बोतल को छूकर देखो. बोतल गर्म हो गई है. अब एक कपड़े से पकड़कर बोतल को बाहर निकाल लो. कुछ देर में बोतल ठंडी हो जाती है और गुब्बारा पिचक जाता है.

ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि गर्म पानी में रखने से बोतल में बंद हवा भी गर्म हो गई. गर्म होने पर हवा फैल गई और गुब्बारे में भर गई. इससे गुब्बारा फूल गया. ठंडी होने पर हवा में सिकुड़न हुई और हवा का आयतन कम होने से हवा गुब्बारे से बाहर निकल गई. इस कारण गुब्बारा फिर पिचक गया.

आइसक्रीम की डंडी से बुकमार्क बनाएं

पुस्तक पढ़ते हुए यदि हमें बीच में रुकना हो तो हम पुस्तक के पन्नों के बीच कोई वस्तु रखकर बुकमार्क लगा लेते हैं, जिससे दोबारा पढ़ना शुरू करने पर आसानी से उस पन्ने तब पहुंचा जा सके. ऊपर का चित्र देखकर आइसक्रीम की डंडियों में रंग भरकर तुम सुंदर बुकमार्क बना सकते हो. यदि आइसक्रीम की डंडियां न मिलें तो किसी भी चपटी वस्तु पर रंग करके यह बुकमार्क बनाये जा सकते हैं. इससे तुम सुंदर चित्र बनाने का मज़ा भी लोगे, और अपनी पुस्तक में सुंदर बुकमार्क भी लगा सकोगे.

सामान्य ज्ञान

1. छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कब हुआ था ?

सन 2001 सन 2003

सन 1995 सन 2000

2. छत्तीसगढ राज्य की राजधानी का नाम क्या है ?

बिलासपुर जबलपुर

रायपुर बस्तर

3. छत्तीसगढ राज्य का गठन किस राज्य के विभाजन से हुआ था ?

झारखंड मध्यप्रदेश

राजस्थान उत्तर प्रदेश

4. छत्तीसगढ राज्य में कुल कितने जिले हैं ?

27 16

12 18

5. छत्तीसगढ में चित्रकोट जलप्रपात देखने किस जिले में जाना होगा ?

दंतेवाडा बस्तर

सरगुजा बिलासपुर

उत्तर - 1. 2000, 2. रायपुर, 3. मध्यप्रदेश, 4. 27, 5. बस्तर

<u>वर्ग पहेली</u>

इस पहेली मे फूलों के नाम ढूंडो -

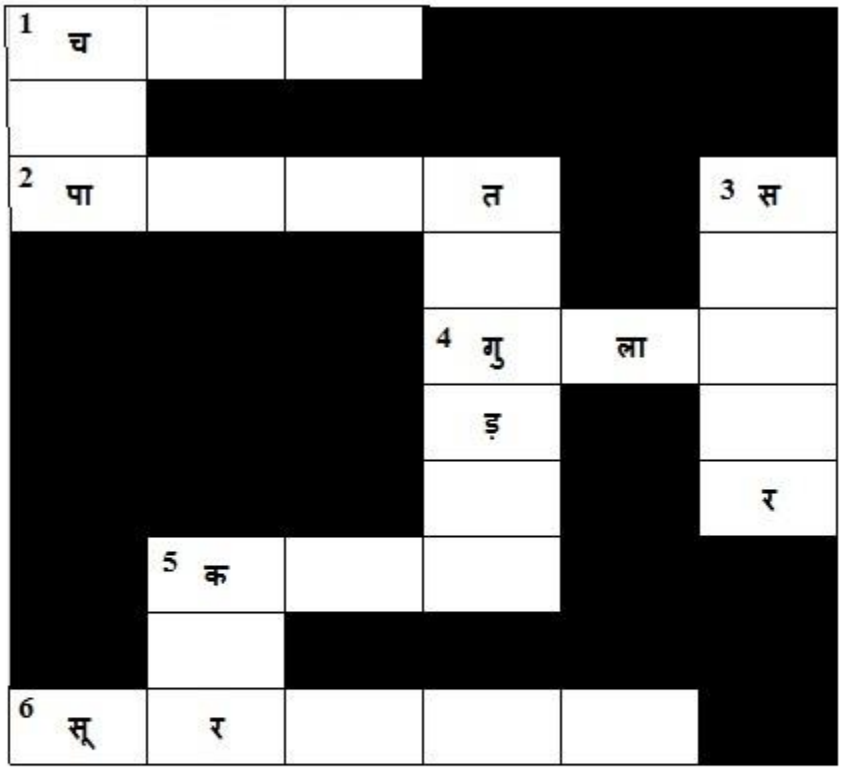

ऊपर से नीचे - 1. चम्पा 3. सदाबहार 4. गुड़हल 5. कनेर
बायें से दायें - 1. चमेली 2. पारिजात 4. गुलाब 5. कमल 6. सूरजमुखी